भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 3126

जिसका उत्तर 12.03.2020 को दिया जाना है

उत्तराखंड में राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं

3126. एडवोकेट अजय भट्टः

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत तीन वर्षों के दौरान निर्मित राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) की किलोमीटर में राज्य-वार कुल लंबाई कितनी है;

(ख) विगत तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान उत्तराखंड में निर्मित और निर्माण हेतु प्रस्तावित राष्ट्रीय राजमार्गों का पृथक रूप से परियोजना-वार ब्यौरा क्या है; और

(ग) उन राष्ट्रीय राजमार्गों की निर्धारित मानकों के अनुसार गुणवत्ता और रखरखाव को सुनिश्चित करने के लिए स्थापित तंत्र/निगरानी प्रणाली का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) और (ख) चालू वर्ष में देश के लिए 11,000 किमी एनएच के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है। पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान उत्तराखंड सहित राज्य-वार निर्मित राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) का विवरण को **अनुबंध- I** में दिया गया है।

(ग) सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय / भारतीय सड़क कांग्रेस (आईआरसी) विनिर्देशों में निर्दिष्ट गुणवत्ता मानकों के अनुसार सभी राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया जाता है। ठेकेदार / रियायतग्राही को प्राधिकरण के अभियंता (एई) / स्वतंत्र अभियंता (आईई) के परामर्श से एक गुणवत्ता आश्वासन योजना तैयार करनी होती है। निर्दिष्ट अंतरालों पर विभिन्न सामग्रियों पर परीक्षण ठेकेदार द्वारा किया जाना होता है। एई / आईई को कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए अपने स्तर पर कुछ परीक्षण भी करने होते हैं। प्राधिकरण के अधिकारी कार्यों का निरीक्षण भी करते हैं और कार्यों की गुणवत्ता की जांच करने के लिए बाहरी तकनीकी लेखा परीक्षा की व्यवस्था का प्रावधान है। रारा के खंडों का रखरखाव, जहां या तो विकास कार्य शुरू हो गए हैं या संचालन, अनुरक्षण और स्थानांतरण (ओएमटी) रियायतें / संचालन और अनुरक्षण (ओएंडएम) अनुबंध सौंपे गए हैं, रियायत अवधि / दोष देयता अवधि (डीएलपी) तक संबंधित रियायतग्राहियों / ठेकेदारों की जिम्मेदारी है। रारा के शेष खंडों का रख-रखाव, जिसमें बाढ़, बारिश, आदि के कारण नुकसान की बहाली शामिल है, ऐसे खंडों पर, रारा को यातायात योग्य स्थिति में रखने के लिए प्रतिवर्ष उपलब्ध बजटीय परिव्यय, पारस्परिक प्राथमिकता और यातायात घनत्व के अनुसार किया जाता है।

अनुबंध- I

'उत्तराखंड में राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं' के संबंध में एडवोकेट अजय भट्टः द्वारा दिनांक 12.03.2020 को पूछे गए लोक सभा लिखित प्रश्न संख्या 3126 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में उल्लिखित **विवरण**

पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान, उत्तराखंड सहित राज्य-वार, निर्मित राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) का विवरण;

क्र. सं.	राज्य / संघ राज्य क्षेत्र	निर्मित लंबाई (किमी में)			
		2016-17	2017-18	2018-19	2019-20 *
1	आंध्र प्रदेश	402	459	438	447
2	अरुणाचल प्रदेश	174	188	157	37
3	असम	165	302	323	83
4	बिहार	400	370	333	133
5	चंडीगढ़	0	0	0	0
6	छत्तीसगढ़	483	522	397	149
7	दिल्ली	0	139	42	18
8	गोवा	4	20	1 1	26
9	गुजरात	86	189	303	107
10	हरियाणा	369	290	226	132
1 1	हिमाचल प्रदेश	72	134	157	50
12	जम्मू और कश्मीर	33	162	95	41
13	झारखंड	211	236	287	153
14	कर्नाटक	656	768	779	343
15	केरल	45	17	121	105
16	मध्य प्रदेश	475	594	829	527
17	महाराष्ट्र	750	1,345	2,293	1797
18	मणिपुर	4	231	318	170
19	मेघालय	6	48	13	0
20	मिजोरम	88	43	59	10
21	नागालैंड	4	0	34	21
22	ओडिशा	490	535	534	266
23	पुडुचेरी	8	17	12	0
24	पंजाब	384	357	209	270
25	राजस्थान	1,125	1,075	728	738
26	सिक्किम	0	45	83	13
27	तमिलनाडु	469	307	356	150
28	तेलंगाना	113	161	370	308
29	त्रिपुरा	42	82	41	0
30	उत्तर प्रदेश	584	694	882	524
31	उत्तराखंड	203	256	237	205
32	पश्चिम बंगाल	386	222	127	104
33	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	0	21	61	15
कुल		**8231**	**9829**	**10855**	**6940**
*** दिसंबर 2019 तक**					

*****